ट्रेड डील्स के बाद मार्केट में दिखा बंपर उछाल

2.73 प्रतिशत की बढ़त पर रहा सेंसेक्स

2.70 प्रतिशत से आगे रहा निफ्टी

मुंबई, 03 फरवरी.अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की घोषणा से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखी गयी और प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 2,072.67 अंक (2.54 प्रतिशत) चढ़कर 83,739.13 अंक पर पहुंच गया. सेंसेक्स 3,656.74 अंक की तेजी में 85,323.20 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 4,205 अंक चढ़कर 85,871.73 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 639.15 अंक यानी 2.55 प्रतिशत चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ. सुबह के समय यह ऊपर 26,341.20 अंक तक चढ़ा था. दोनों सूचकांकों का यह तीन सप्ताह का उच्चतम स्तर है. चौतरफा लिवाली के बीच सभी सूचकांकों में अच्छी मजबूती देखी गयी. मझौली कंपनियों वाले निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 2.80 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 2.82 प्रतिशत की तेजी रही. रुपये में रहे उछाल से भी शेयर बाजारों में निवेश धारणा मजबूत हुई. भारतीय मुद्रा फिलहाल 121.75 पैसे चढ़कर 90.2775 रुपये प्रति डॉलर पर है.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 'मेड इन इंडिया-प्रोडक्ट्स के लिए यह अच्छी खबर है. अब उन पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा. उन्होंने सोशल मिडिया एक्स पर लिखा-इस समझौते के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की लीडरशिप को धन्यवाद. हमारे दो बड़े लोकतंत्रों के लोगों को इसका फायदा होगा.

घरेलू शेयर बाजारों में कारोबार में जबरदस्त तेजी के साथ 6 प्रतिशत का उछाल आया है. बाजार में सभी सेक्टरों के सूचकांकों में बड़ी तेजी देखी गयी. संसेक्स में आईटीसी को छोड़कर सभी कंपनियों के शेयर फिलहाल हरे निशान में हैं. सूचकांक की तेजी में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा का रहा. भारत और अमेरिका के बीच व्यापार से जुड़ा ऐतिहासिक समझौता हुआ है. इस समझौते के तहत 18 फीसदी टैरिफ पर सहमति बनी है. 18 फीसदी टैरिफ घटने से से भारत को बड़ा लाभ होगा.

हरि शंकर ने रेलवे बोर्ड के सदस्य का पदभार संभाला

नई दिल्ली, 03 फरवरी. 1987 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा अधिकारी, श्री हरि शंकर वर्मा ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास) तथा भारत सरकार के पदेन सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया है. इससे पूर्व, वह रेलवे बोर्ड में महानिदेशक (सुरक्षा) के पद पर कार्यरत थे.

उनका शानदार करियर और उपलब्धियाँ- अपने गौरवशाली करियर के दौरान, श्री वर्मा ने भारतीय रेलवे में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, जिनमें शामिल हैं:

- अपर मंडल रेल प्रबंधक - मध्य रेलवे, मुंबई
- मंडल रेल प्रबंधक -सेलम मंडल, दक्षिण रेलवे
- मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक - मध्य रेलवे, मुंबई

- प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक: हुबली, दक्षिण पश्चिम रेलवे
- महानिदेशक: भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ

इन सभी पदों पर रहते हुए श्री वर्मा ने कई नए रिकॉर्ड और उपलब्धियाँ स्थापित कीं.

सुरक्षा के क्षेत्र में योगदान- महानिदेशक (सुरक्षा), रेलवे बोर्ड के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय रेलवे के सुरक्षा रिकॉर्ड ने नई ऊंचाइयों को छुआ. प्रक्रिया सुधार पर उनके विशेष ध्यान के कारण, परिणामी दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी आई है.

सम्मान और विशेषज्ञता पुरस्कार

उन्हें दो बार माननीय रेल मंत्री पुरस्कार और महाप्रबंधक स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है.

प्रशिक्षण- उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और इटली से प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

विशेषज्ञता- उन्हें रेलवे यातायात और प्रबंधन के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है.

सरकारी बैंकों के साझा मोबाइल ऐप का उद्घाटन

नई दिल्ली, 03 फरवरी. वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने यहां सरकारी क्षेत्र के बैंकों की एक बैठक में बैंकों की सम्पत्तियों की नीलामी के लिए मोबाइल ऐप बैंकनेट और डिजिटल बैलेंस कन्फर्मेशन प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया.

श्री नागराजू ने पीएसबी एलायंस की वार्षिक रणनीति बैठक में बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और लागत बनाम कमाई अनुपात को सुधारने में सकारात्मक योगदान देने में पीएसबी एलायंस की भूमिका पर भी जोर दिया गया. उन्होंने कहा- यह देखा गया कि जबकि बैंकनेट पहले ही बैंक नीलामी संपत्तियों में संरचना और पारदर्शिता ला चुका है, नया मोबाइल ऐप सत्यापित बैंक संपत्तियों तक पहुंच को वास्तव में राष्ट्रव्यापी और चलते-फिरते सुलभ बनायेगा. उन्होंने कहा कि यह ऐप आम नागरिकों को सशक्त बनायेगा और बैंकों को तेजी से रिकवरी हासिल करने में सहायता करेगा.

श्री नागराजू ने डीबीसीपी को ऑडिट प्रक्रिया में अधिक दक्षता और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य मैनुअल बैलेंस कन्फर्मेशन सर्टिफिकेट को पूरी तरह से समाप्त करना है. उन्होंने सरकारी बैंकों के इस एलायंस को अपने साझा सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार सरकारी बैंकों के बाहर भी ले जाने की सलाह दी.

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से रुपये में जबरदस्त तेजी

मुंबई, 03 फरवरी. भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा से मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये में 121 पैसे की जबरदस्त तेजी देखने को मिली. पिछले कारोबारी दिवस पर 91.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाली भारतीय मुद्रा आज 119.50 पैसे की बढ़त के साथ 90.30 रुपये प्रति डॉलर पर खुली और 90.23 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई. खबर लिखे जाते समय रुपया 121 पैसे की मजबूती के साथ 90.2850 रुपये प्रति डॉलर पर था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सोमवार देर रात टेलीफोन पर हुई वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर व्यापार समझौते पर सहमति की घोषणा की.

चांदी एक दिन में सवा लाख टूटी

सोना 12,800 रुपये गिरकर 1,52,700 रुपये प्रति दस ग्राम

चांदी की कीमत 52,000 रुपये टूटकर 2.60 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई

नई दिल्ली 03 फरवरी. सर्राफा बाजार में कुछ दिन पहले तक जश्न का माहौल था. सोना और चांदी अपने अब तक के रिकॉर्ड स्तरों पर थे और निवेशकों को उम्मीद थी कि कमजोर डॉलर की वजह से कीमतों में और तेजी आएगी. लेकिन अचानक तस्वीर पूरी तरह बदल गई.

चांदी एक ही दिन में सवा लाख रुपये तक टूट गई और सोने के भाव भी बुरी तरह फिसल गए. यह गिरावट अचानक नहीं थी, बल्कि इसकी पटकथा 27 जनवरी को ही लिखी जा चुकी थी. सोने और चांदी की कीमतों में आई ऐतिहासिक गिरावट ने निवेशकों को चौंका दिया है. अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को चांदी की कीमत 52,000 रुपये टूटकर 2.60 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई, जबकि पिछले तीन सत्रों में यह अपने 29 जनवरी के उच्चतम स्तर से करीब 36 प्रतिशत गिर चुकी है. वहीं 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 12,800 रुपये गिरकर 1,52,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया.

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस भारी गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण जिम्मेदार हैं. सबसे बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है. इसके अलावा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विभिन्न देशों के साथ टैरिफ पर बातचीत, अमेरिका-ईरान के बीच तनाव में कमी अमेरिका के अगले फेडरल रिजर्व चेयरमैन के रूप में केविन वॉर्श का नाम सामने आना भी अहम वजह रही.

दरअसल, 27 जनवरी को व्हाइट हाउस से यह संकेत मिला कि फेड की कमान ऐसे व्यक्ति को सौंपी जा सकती है जो डॉलर को मजबूत रखने के पक्षधर हैं. मजबूत डॉलर का सीधा असर सोने-चांदी जैसी कीमती धातुओं पर पड़ता है. वहीं केंद्रीय बजट 2026-27 में आयात शुल्क में किसी तरह की राहत न मिलने से भी निवेशकों की उम्मीदें टूट गईं और बाजार में जोरदार मुनाफावसूली देखने को मिली.

चावल, चीनी, दालें महंगी खाद्य तेलों में रही घटबढ़

नयी दिल्ली, 03 फरवरी. घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये. चावल के साथ दालें और चीनी भी महंगी हुई जबकि गेहूं के दाम कमोबेश गत दिवस के स्तर पर रहे. वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत तीन रुपये बढ़कर 3,851 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी.

गेहूं 2,859 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा. आटा भी आठ रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ. दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 24 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. मसूर दाल 21 रुपये और उड़द दाल 10 रुपये महंगी हुई. मूंग दाल सात रुपये और चना दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 16 रिंगिट टूटकर 4,213 रिंगिट प्रति टन रह गया. अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 2.48 प्रतिशत की तेजी में 54.52 सेंट प्रति पौंड बोला गया. स्थानीय बाजारों में सोया तेल औसतन 63 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ. पाम ऑयल की कीमत 24 रुपये और सूरजमुखी तेल की 18 रुपये बढ़े. मूंगफली तेल में 16 रुपये और वनस्पति में 13 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही. सरसों तेल 22 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ. मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल चढ़े.

अडानी पोर्ट्स को 3,043 करोड़ रुपये का मुनाफा

अहमदाबाद, 03 फरवरी. अडानी समूह की मुख्य कंपनी अडानी पोर्ट्स को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में समेकित आधार पर 3,043 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है. कंपनी के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी.

इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 3,043 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इस दौरान उसका राजस्व 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ

9,705 करोड़ रुपये पर रहा. कंपनी ने बताया कि घरेलू बंदरगाह कारोबार से उसे 6,701 करोड़ रुपये और अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह कारोबार से 1,067 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ. इनमें क्रमशः 15 प्रतशत और 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

लॉजिस्टिक्स कारोबार से प्राप्त राजस्व 62 फीसदी बढ़कर 1,121 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. घरेलू बंदरगाह कारोबार में रिकॉर्ड 4,877 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ दर्ज किया गया है. देश के कंटेनर बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी बढ़कर 45 .8 फीसदी रही. अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह कारोबार का राजस्व पहली बार 1,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा है. कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में 38,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य तय किया है. साथ ही परिचालन लाभ 22,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है. वित्त वर्ष के दौरान उसका कुल पूंजीगत निवेश 11-12 हजार करोड़ रुपये रहेगा.

आयुष्मान वय वंदना योजना से बुजुर्गों को राहत

नई दिल्ली, 3 फरवरी. आयुष्मान भारत योजना के तहत शुरू किए गए आयुष्मान वय वंदना कार्ड ने देश के वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत दी है.सरकार के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देशभर में अब तक 96.73 लाख से अधिक वय वंदना कार्ड जारी किए जा चुके हैं.

इस योजना के जरिए लाखों बुजुर्गों को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है.सरकार का कहना है कि इससे स्वास्थ्य सेवाओं तक बुजुर्गों की पहुंच पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुई है.देशभर में आयुष्मान वय वंदना कार्ड के तहत 96.73 लाख से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं.

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को राज्यसभा में लिखित उत्तर के माध्यम से यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर, 2025 तक इस योजना के अंतर्गत कुल 10.33 लाख अस्पताल भर्तियों को मंजूरी दी गई है, जिन पर 2,154.37 करोड़ रुपये की लागत आई है.

सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इन भर्तियों में 3.93 लाख मामले महिला लाभार्थियों से जुड़े हैं, जिन पर 820.42 करोड़ रुपये खर्च किए गए.

10 हजार से निवेश की शुरुआत, पहले 3 महीने मुफ्त

मुंबई, 3 फरवरी. जियोब्लैकरॉक इंवेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में 'जियोब्लैकरॉक पर्सनालाइज्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइज' की शुरुआत की है। यह एक डिजिटल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी प्लेटफॉर्म है।

कंपनी का दावा है कि वह भारतीयों को सिर्फ बचतकर्ता नहीं बल्कि समझदार निवेशक बनाना चाहती है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक की 50-50 की जॉइंट वेंचर कंपनी है जियोब्लैकरॉक इंवेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड।

इस मौके पर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा एम. अंबानी ने कहा कि हर भारतीय की

वित्तीय मजबूती देश को 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे ले जाने के लिए जरूरी है। का लक्ष्य भारत को बचतकर्ताओं के देश से आत्मविश्वासी निवेशकों के देश में बदलना है। उन्होंने बताया कि डजिटल पहुंच और वैश्विक निवेश अनुभव के जरिए आम लोगों तक विश्वस्तरीय निवेश सलाह पहुंचाई जाएगी।

नई डिजिटल एडवाइजरी सेवा के तहत निवेशक मात्र 10,000 से निवेश की शुरूआत कर सकते हैं। निवेशकों को उनके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार पर्सनलाइज्ड निवेश प्लान दिया जाएगा, जिसकी निगरानी आधुनिक टेक्नोलॉजी के जरिए की जाएगी। जिससे बाजार की स्थिति के अनुसार समय-समय पर री-बैलेंसिंग के सुझाव मिलते रहेंगे। इस सेवा की कीमत भी आम निवेशकों को ध्यान में रखकर तय की गई है। सालाना फीस 350 रखी गई है, जबकि 1 लाख से अधिक के एसेट्स अंडर एडवाइजरी पर 0.35प्रतिशत वार्षिक शुल्क लगेगा। शुरुआती तीन महीनों के लिए सेवा मुफ्त दी जाएगी। अब तक पर्सनलाइज्ड निवेश सलाह केवल हाई-नेटवर्थ निवेशकों तक सीमित रही है, क्योंकि इसमें ऊंची लागत और रिलेशनशिप-मैनेजर आधारित मॉडल शामिल थे।

समाचार विशेष

दोआबा क्षेत्र दलित राजनीति की धुरी बना

जालंधर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविदास जयंती के अवसर पर जालंधर दौरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है. यह पंजाब की सत्ता राजनीति में चल रही सबसे निर्णायक लड़ाई का भी संकेत है. दोआबा क्षेत्र अब सिर्फ जिला नहीं, बल्कि दलित राजनीति की धुरी और राजनीतिक रणनीति का केंद्र बन चुका है.

यहां एक-एक कदम, एक-एक बयान और प्रतीक आने वाले चुनाव की दिशा तय कर सकते हैं. भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तीनों की निगाहें विशेष रूप से जालंधर और इसके दलित मतदाताओं पर टिक गई हैं. यह लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि दलित नेतृत्व, सामाजिक सम्मान और राजनीतिक वर्चस्व की भी है. कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आज दलित राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते हैं. दोआबा क्षेत्र में उनकी पकड़ बेहद मजबूत है, जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं. एक दलित मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान, जालंधर से सांसद होने का अनुभव और सामाजिक न्याय की राजनीति उन्हें कांग्रेस के लिए प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक ताकत बनाती है. कांग्रेस की रणनीति दलित स्वाभिमान, रविदासिया पहचान और सामाजिक अधिकारों के इर्द-गिर्द केंद्रित है जिसमें चन्नी सबसे सशक्त आवाज़ हैं.

भाजपा की नई राजनीतिक लकीर- प्रधानमंत्री मोदी का डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकना, संत निरंजन दास से आशीर्वाद लेना और पंजाब के लिए संभावित घोषणाएं सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं. आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास महाराज पर रखने की मांग, नेशनल हॉलिडे की चर्चा और रविदास जी पर रिसर्च सेंटर जैसी पहलें भाजपा की इस दिशा को स्पष्ट करती हैं कि वह पंजाब के दलित समाज को नेतृत्व के स्तर पर जोड़ना चाहती है.

आम आदमी पार्टी की सक्रिय रणनीति

मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार भी दलित समाज के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने में लगी है. योजना, कल्याण कार्यक्रम, सामाजिक सम्मान और छात्रों को वज़ीफ़ा वितरण जैसी पहलें यह संदेश देती हैं कि दलित हितों की असली राजनीतिक प्रतिनिधि वही है. प्रो. कुणाल के अनुसार डेरों का झुकाव इस पूरे समीकरण में निर्णायक साबित होता है. जब डेरा किसी पार्टी के पक्ष में होता है, तो दलित वोट उसी दिशा में बढ़ता है.

छवि बदलने में लगे हैं अखिलेश

पार्टी को अखिल भारतीय शक्ल देने का प्रयास

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पार्टी की इमेज को एक बार फिर नया रूप देने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले भी पार्टी को नया रूप देने के लिए कई कदम उठाए थे.

हालांकि उस समय पार्टी के केंद्र में मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव थे इसलिए अखिलेश की पहल पर चर्चा नहीं हुई. लेकिन युवाओं को जोड़ने के लिए उन्होंने समाजवादी पार्टी के

अंग्रेजी विरोध और कंप्यूटर विरोध को खत्म कराया था. उस चुनाव में सपा को अकेले बहुमत मिला था और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने थे. अब एक बार फिर वे पार्टी की इमेज बदलने में लगे हैं.

इसके तहत वे विजन इंडिया का आयोजन कर रहे हैं. अखिलेश यादव ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में विजन इंडिया का आयोजन किया, जिसमें न्यू एज टेक्नोलॉजी से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई. इससे पहले विजन इंडिया का आयोजन उन्होंने बेंगलुरू में किया था. यह भी कहा जा रहा है कि वे तेलंगाना के चंद्रशेखर राव की तरह अपनी पार्टी को अखिल भारतीय शक्ल देने का प्रयास कर रहे हैं.

उत्तर प्रदेश में चल रह ब्राह्मण बनाम ठाकुर के विवाद के बीच उत्तराखंड में ब्राह्मण अध्यक्ष की नियुक्ति के खास मतलब है. गौरतलब है कि अखिलेश यादव प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार और उनके अनशन के मामले में लगातार उनका समर्थन कर रहे हैं. यह दिलचस्प है कि अखिलेश और मायावती दोनों ब्राह्मणों को सम्मान दिलाने की बात कर रहे हैं.

इस बीच अखिलेश यादव ने उत्तराखंड में पार्टी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया. उन्होंने पार्टी के पुराने कार्यकर्ता शुभम गिरी को यह जिम्मेदारी दी है.

पेज एक का शेष

मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर देश में सबसे कम

इज ऑफ डूइंग बिजनेस को विकास के केंद्रीय स्तंभ के रूप में स्थापित करते हुए यह बजट प्रशासनिक सरलीकरण, निवेश अनुकूल नीतियों के साथ ही संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की ठोस आधारशिला भी रखता है. डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट मध्यप्रदेश के आर्थिक-औद्योगिक और सामाजिक विकास का ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा. पूंजीगत व्यय में वृद्धि, शहरों के विकास व लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का विकास प्रदेश के लिए वरदान बनेगा. यह बजट सतत आर्थिक विकास के साथ जनअपेक्षाओं को पूरा करने वाला है. प्रधानमंत्री मोदी जी ने समय-समय पर अपने निर्णयों से देश को सशक्त बनाने के साथ दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया है. इस बजट के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे. यह केंद्रीय बजट सभी वर्गों की आशा-आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ उन्हें सशक्त बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा. मप्र अपनी प्रतिभाओं के बलबूते लंबी छलांग लगाएगा: मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र अपनी प्रतिभाओं के बलबूते पर फार्मा सहित सभी क्षेत्रों में लंबी छलांग लगाएगा. सेमीकंडक्टर बड़ा सेक्टर है. मैं सेमीकंडक्टर को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री से कल ही बात करके आया हूं.

विशेष | फरवरी के साइलेंट पीरियड का करेगी पूरा इस्तेमाल

बीजेपी ने तैयार किया मिशन बंगाल

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में चुनावी बिगुल बजने ही वाला है. भाजपा ने इस बार ममता बनर्जी के विकल्प के रूप में खुद को पेश करने को पूरा जोर लगाया है. सूत्रों की मानें तो पार्टी ने अगले 90 दिनों के लिए ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति बनाई है, जिसमें संगठन की मजबूती, जनसंपर्क और परिवर्तन का संकल्प शामिल हैं.

बंगाल में फरवरी का महीना बोर्ड परीक्षाओं (10वीं और 12वीं) के कारण शांति काल माना जाता है, जहां लाउडस्पीकर और बड़ी रैलियों पर रोक रहती है. भाजपा इस समय का उपयोग किसी शोर-शराबे के बजाय सर्जिकल स्ट्राइक की तरह बूथ लेवल पर करेगी.

81 हजार से 1 लाख बूथों की तैयारी- चुनाव आयोग द्वारा बूथों के पुनर्गठन के बाद भाजपा की नजर हर एक बूथ पर है. 14 फरवरी को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद पार्टी एक-एक वोटर का गणित सुलझाएगी. 81 हजार से 1 लाख बूथों की तैयारी की है. भाजपा ने बड़ी रैलियों की जगह बंगाल की मशहूर अड्डा संस्कृति को अपनाया है. छोटे समूहों में बैठकें कर लोगों को टीएमसी सरकार के खिलाफ अपनी बात रखने का मंच दिया जा रहा है.

6 जोन और दिग्गज सारथी- भाजपा ने बंगाल को 6 रणनीतिक क्षेत्रों (जोन) में बांटा है. हर जोन की कमान केंद्रीय नेताओं और आरएसएस समन्वयकों के हाथ में है. पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह की लगातार रैलियों के बाद अब सांसदों और विधायकों को जमीन पर उतारा गया है. डेढ़ हजार जनसंपर्क सभाओं के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर रही है. पार्टी ने 294 सीटों में से 162 सीटों को प्राथमिकता सूची में रखा है, जहां वह पूरी ताकत झोंक देगी.

बंगाल मथेंगे मार्च में

मार्च में भाजपा की परिवर्तन यात्राएं पूरे बंगाल को मथने निकलेंगी. अमित शाह, राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ जैसे दिग्गज इन यात्राओं को हरी झंडी दिखाएंगे. सभी यात्राओं का संगम कोलकाता में एक विशाल रैली के रूप में होगा, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित कर सकते हैं. भाजपा ने इस बार रणनीति में बदलाव किया है. पार्टी ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत हमले करने के बजाय उनकी सरकार की विफलताओं, जैसे- भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा और हिंदुत्व के मुद्दों को ढाल बना रही. सुवेंदु अधिकारी और सुकांत मजूमदार जैसे स्थानीय चेहरे इस लड़ाई को घर-घर तक ले जा रहे हैं.